उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

(शांकर वेदान्त एकवर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम)

01 Years Masters Program

(M.A.)

16.8.26

दर्शन संकाय

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय

बहादराबाद, हरिद्वार

SYLLABUS (w. e. f. 2025-26)

BOARD OF STUDIES

S. N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	Prof. Ramakant Pandey	Vice-Chancellor Chairman of the committee	-	Uttarakhand sanskrit University, Haridwar
2.	Prof. Manjunath G	Professor		Central Sanskrit University
3.	Dr. Bablu Vedalankar	Assistant Professor		Gurukula Kangri University Haridwar
4.	Dr. Kamakhya Kumar	Dean Faculty of Philosophy	Yoga	Uttarakhand sanskrit University, Haridwar

पारिभाषिक संकेताक्षर

1. **DSCC**- DISCIPLINE SPECIFIC CORE COURSE
   (स्वशास्त्र सम्बद्ध मुख्य विषय)
2. **DSE**- DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVECOURSE
   (स्वशास्त्र सम्बद्ध वैकल्पिक विषय)
3. **GE**- GENERIC ELECTIVE
   (सामान्य ऐच्छिक विषय)
4. **AEC**- ABILITY ENHANCEMENT COURSE
   (क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम)
5. **SEC**- SKILL ENHANCEMENT COURSE
   (कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम)
6. **VAC**- VALUE ADDED COURSE
   (मूल्य योजन पाठ्यक्रम)
7. **IAPC**-Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach
   (प्रशिक्षण कार्यक्रम/ शिक्षुता प्रशिक्षण/ परियोजना कार्य/ सामुदायिक सेवा गतिविधियाँ(IAPC) अथवा क्षेत्र आधारित पाठ्यक्रम)

पाठ्यक्रम संरचना एवं सामान्य निर्देश

साधारण नियम

1. विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति के द्वारा निर्मित नियमों के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में संबन्धित विभागाध्यक्ष/प्राचार्य /सक्षम अधिकारी द्वारा प्रवेश प्रदान किए जाएंगे।
2. विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात प्रवेश संभव नहीं होगा।
3. किसी पाठ्यक्रम में अध्यापन के लिए शिक्षकों की उपलब्धता,प्रयोगशालाओं/ कक्षाओं में स्थान तथा संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर प्रवेश के लिए सीटों की संख्या निर्धारित की जाएगी।
4. आरक्षण के संबंध में राज्य सरकार के नियम मान्य होंगे।
5. शुल्क का निर्धारण विश्वविद्यालय के द्वारा विहित प्रक्रियानुसार किया जाएगा।

मुख्य एवं ऐच्छिक विषय (DSCC, DSE, GE)

1. प्रथम सत्र में प्रवेश के समय विद्यार्थी द्वारा विषयों के चयन हेतु सर्वप्रथम एक संकाय का चुनाव करना होगा।

2. संकाय के अंतर्गत मुख्य विषय का चयन विहित प्रावधानों के अनुसार किया जाना आवश्यक होगा।
3. विद्यार्थी को विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय में विषयों की उपलब्धता के आधार पर नियमानुसार विषयों के चयन की सुविधा होगी।
4. बहुविषयकता सुनिश्चित करने के लिए स्नातक स्तर पर उसके द्वारा लिए गए मुख्य शास्त्रीय विषयों के अतिरिक्त एक सामान्य ऐच्छिक (GE) विषय लेना आवश्यक होगा।
5. सामान्य ऐच्छिक (GE) विषय का चयन विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय में उपलब्ध विषयों के अनुरूप किया जाएगा।
6. DSCC, DSE, GE के पत्र 4 क्रेडिट के होंगे।
7. उपलब्ध विषयों की सूची परिशिष्ट- 01 पर द्रष्टव्य है।

क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC)

1. क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम एक ऐसा भाषा आधारित पाठ्यक्रम है, जो अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से ज्ञान में वृद्धि की ओर ले जाते हैं।
2. विद्यार्थी को स्नातक स्तर पर प्रारम्भिक दो वर्षों के 04 क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम पूर्ण करना आवश्यक होगा। यह पाठ्यक्रम प्रत्येक सत्र में 02 क्रेडिट्स का होगा।
3. क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम के अंतर्गत भाषा का चयन विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप किया जाएगा।
4. उपलब्ध विषयों की सूची परिशिष्ट 01 पर द्रष्टव्य है।

कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC)

1. कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम समस्त विषयों में कौशल आधारित पाठ्यक्रम है। इसका उद्देश्य व्यावहारिक प्रशिक्षण, दक्षता, कौशल आदि प्रदान करना है।
2. विद्यार्थी को स्नातक स्तर पर प्रारम्भिक तीन वर्षोंमें 06 क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम पूर्ण करना आवश्यक होगा। यह पाठ्यक्रम प्रत्येक सत्र में 02 क्रेडिट्स का होगा।
3. उपलब्ध विषयों की सूची परिशिष्ट 01 पर द्रष्टव्य है।

मूल्य योजन पाठ्यक्रम (VAC)

1. मूल्य योजन पाठ्यक्रम मूल्य आधारित पाठ्यक्रम है। इसका उद्देश्य छात्रों में नैतिकता, संस्कृति, भारतीय ज्ञान प्रणाली, संवैधानिक मूल्यों, शारीरिक शिक्षा और ऐसे समान मूल्यों को विकसित करने के लिए है, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायता करेंगे।

2. मूल्य योजन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय ज्ञान परम्परा का ज्ञान कराने हेतु वैदिक साहित्य, रामायण, महाभारत, भारतीय दर्शन तथा प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था आदि विषयों को पाठ्यक्रम में समाहित किया जाएगा।
3. मूल्य योजन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्नातक द्वितीय सत्र में पर्यावरणीय अध्ययन का अध्ययन आवश्यक होगा।
4. विद्यार्थी को स्नातक स्तर पर प्रारम्भिक दो वर्षों में 04 मूल्य योजन पाठ्यक्रम पूर्ण करना आवश्यक होगा। यह पाठ्यक्रम प्रत्येक सत्र में 02 क्रेडिट्स का होगा।

<u>प्रशिक्षण कार्यक्रम/ शिक्षुता प्रशिक्षण/ परियोजना कार्य/ सामुदायिक सेवा गतिविधियाँ (IAPC/Fieldwork)</u>

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम/ शिक्षुता प्रशिक्षण/ परियोजना कार्य/ सामुदायिक सेवा गतिविधियाँ (IAPC) अथवा क्षेत्र-आधारित पाठ्यक्रम छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए है।
2. विद्यार्थी को स्नातक स्तर के तृतीय वर्ष के प्रत्येक सत्र में 04 क्रेडिट्स का IAPC अथवा क्षेत्र आधारित पाठ्यक्रम पूर्ण करना आवश्यक होगा। यह पाठ्यक्रम प्रत्येक सत्र में 04 क्रेडिट्स का होगा।
3. संबन्धित विभाग द्वारा पाठ्यक्रम निर्माण के समय IAPC अथवा क्षेत्र आधारित पाठ्यक्रम हेतु आवश्यकतानुसार नियम निर्धारित किए जाएंगे।
4. IAPC अथवा क्षेत्र आधारित पाठ्यक्रम को निष्पक्ष एवं संतुलित बनाए जाने के लिए विभाग द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक IAPC अथवा क्षेत्र आधारित कार्य की प्रगति एवं निष्पादन का मूल्यांकन करेंगे। कार्य पूर्ण होने पर प्रस्तुतीकरण के पश्चात मूल्यांकन की प्रक्रिया विश्वविद्यालय द्वारा विहित नियमानुसार की जाएगी।

<u>शोध परियोजना</u>

1. स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थी को प्रत्येक सेमेस्टर (पांचवे से ग्यारहवें सेमेस्टर तक) में शोध परियोजना करनी होगी। विद्यार्थी को तृतीय वर्ष में लघु शोध परियोजना तथा चतुर्थ एवं पंचम वर्ष में बृहद शोध परियोजना करनी होगी। यह शोध परियोजना इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग/ इंटर्नशिप/ सर्वे-वर्क इत्यादि के रूप में भी हो सकती है।
2. तृतीय वर्ष के दो मुख्य विषयों में से किसी एक विषय पर एवं चतुर्थ, पंचम, षष्ठ वर्ष के मुख्य विषय से संबन्धित विषय पर शोध परियोजना करनी होगी।
3. शोध परियोजना एक शिक्षक पर्यवेक्षक के निर्देशन में की जाएगी, आवश्यकतानुसार एक सह पर्यवेक्षक को किसी उद्योग/कंपनी/तकनीकी संस्थान/शोध संस्थान/ विश्वविद्यालय से लिया जा सकता है।

4. विद्यार्थी वर्ष के अंत में दोनों सेमेस्टर में की गई शोध परियोजना का संयुक्त प्रबंध जमा करेगा, जिसका मूल्यांकन वर्ष के अंत में शोध पर्यवेक्षक तथा विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक के द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों में से किया जाएगा। शोध परियोजना का मूल्यांकन शोध पर्यवेक्षक तथा विश्वविद्यालय द्वारा नामित बाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

निर्देश

1. त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों हेतु स्नातक स्तर का चतुर्थ वर्ष स्नातकोत्तर स्तर के प्रथम वर्ष के समतुल्य होगा।
2. चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले विद्यार्थी स्नातकोत्तर स्तर के द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु अर्ह माने जाएंगे।
3. ऐसे पाठ्यक्रम जो किसी एक विभाग विशेष द्वारा संचालित नहीं होते है, उनको संचालित करने हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर एक बहुविषयक पाठ्यक्रम निर्माण समिति का गठन किया जाएगा।

उत्तीर्ण प्रतिशत

1. प्रत्येक प्रश्नपत्र में उत्तीर्णांक न्यूनतम 33 प्रतिशत अनिवार्य होगा। केवल लघु शोध विषयों (थ्योरी एवं प्रेक्टिकल) में 40 प्रतिशत अंक लाने आवश्यक होंगे।
2. DSCC/ DSE/ GE के प्रत्येक पत्र (लिखित/ प्रायौगिक) में अधिकतम अंक 100 में से प्राप्तांकों की गणना 25 अंकों के सतत आंतरिक मूल्यांकन व 75 अंकों की विश्वविद्यालयीय परीक्षा में प्राप्त अंकों को जोड़ कर की जाएगी।
3. आन्तरिक-मूल्यांकन के अंकों का विभाजन निम्नानुसार होगा:-
   - **क.** आन्तरिक परीक्षा/कार्य निर्देशन -10 अंक
   - **ख.** विभागीय शास्त्र-परिचर्चा / संगोष्ठी – 05 अंक
   - **ग.** अध्ययन सामग्री का संग्रह एवं प्रबंधन – 05 अंक
   - **घ.** उपस्थिति- 5 अंक

     (75% = 01 अंक, 75.1% से 80% = 02 अंक, 80.1% से 85% = 03 अंक, 85.1% से 90% = 04 अंक, 90.1% से अधिक = 05 अंक देय)
4. AEC/ SEC/ VAC/ IAPC/ Fieldwork इत्यादि के 100 अंकों के पत्रों में उत्तीर्ण होने के लिए 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा।
5. किसी भी पत्र के आन्तरिक मूल्यांकन के लिए पृथक् से कोई न्यूनतम उत्तीर्ण प्रतिशत नहीं है।

6. किसी भी प्रकार के कृपांक प्रदान नहीं किए जाएंगे।

प्रश्न पत्र (75 अंकों) का प्रारूप

- समय सीमा : 2:00 घण्टा
- प्रश्नपत्र दो भागों (प्रथम व द्वितीय) में विभक्त होगा। प्रथम भाग लघुत्तरात्मक / टिप्पणयात्मक एवं द्वितीय भाग दीर्घोत्तरात्मक / विवरणात्मक होगा।
- प्रथम भाग में सात प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर तथा द्वितीय भाग में से पाँच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
- प्रथम भाग में प्रत्येक प्रश्न 06 अंकों तथा द्वितीय भाग में प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा।

प्रश्न पत्र (100 अंकों) का प्रारूप

- समय सीमा : 2:00 घण्टा
- प्रश्नपत्र दो भागों (प्रथम व द्वितीय) में विभक्त होगा। प्रथम भाग लघुत्तरात्मक / टिप्पणयात्मक एवं द्वितीय भाग दीर्घोत्तरात्मक / विवरणात्मक होगा।
- प्रथम भाग में सात प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर तथा द्वितीय भाग में पाँच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।
- प्रथम भाग में प्रत्येक प्रश्न आठ अंकों तथा द्वितीय भाग में प्रत्येक प्रश्न बीस अंकों का होगा।

क्रेडिट एवं क्रेडिट-निर्धारण

1. सैद्धान्तिक विषय के एक क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह में एक कालांश का शिक्षण कार्य होगा, अर्थात एक सत्र के 15 सप्ताह में 15 कालांश का शिक्षण कार्य कराना होगा।
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम/ शिक्षुता प्रशिक्षण/ परियोजना कार्य/ सामुदायिक सेवा गतिविधियाँ (IAPC) अथवा क्षेत्र आधारित पाठ्यक्रम आदि के एक क्रेडिट के लिए दो घंटे प्रति सप्ताह का शिक्षण कार्य होगा, अर्थात एक सत्र के 15 सप्ताह में 30 घंटे का प्रायोगिक/ प्रशिक्षण/ क्षेत्र आधारित कार्य कराना होगा।
3. एक बार क्रेडिट का उपयोग करने के पश्चात विद्यार्थी उन पेपर के क्रेडिट का उपयोग पुनः नहीं कर सकेगा। उदाहरण के लिए यदि कोई विद्यार्थी एक वर्ष अध्ययन करने के पश्चात 44 क्रेडिट का प्रयोग कर प्रमाणपत्र उपाधि को प्राप्त करता है तो उसके क्रेडिट खर्च माने जाएंगे। यदि वह कुछ वर्षों के पश्चात डिप्लोमा उपाधि प्राप्त करना चाहता है, तो वह अपनी मूल प्रमाणपत्र उपाधि को विश्वविद्यालय में जमा (Surrender) कर 44 क्रेडिट को रिक्रेडिट (Re-credit) करेगा, जिसके आधार पर द्वितीय वर्ष में 88 (44+44) क्रेडिट अर्जित कर डिप्लोमा की उपाधि प्राप्त कर सकता है। इसी प्रकार की व्यवस्था आगे भी होगी। यदि विद्यार्थी

लगातार अध्ययन करता है तथा प्रमाणपत्र/ डिप्लोमा प्राप्त नहीं करता है तो वह 132 क्रेडिट के आधार पर त्रिवर्षीय स्नातक उपाधि प्राप्त कर सकता है।

4. यदि कोई विद्यार्थी सर्टिफिकेट/ डिप्लोमा ले कर अपने क्रेडिट रिक्रेडिट (Re-credit) कर लेता है और वह आगामी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है, तो वह रिक्रेडिट (Re-credit) किए गए क्रेडिट का उपयोग कर पुनः सर्टिफिकेट/ डिप्लोमा प्राप्त कर सकता है।

ग्रेडिंग प्रणाली

स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में यूजीसी के दिशा निर्देशों पर आधारित निम्नलिखित 10 पॉइन्ट ग्रेडिंग प्रणाली लागू की जाएगी-

लेटर ग्रेड	विवरण	प्रतिशत/ अंकों की सीमा	ग्रेड पॉइन्ट
O	Outstanding	91-100	10
A+	Excellent	81-90	9
A	Very Good	71-80	8
B+	Good	61-70	7
B	Above Average	51-60	6
C	Average	41-50	5
P	Pass	33-40	4
F	Fail	0-32	0
AB	Absent	Absent	
Q	Qualified		
NQ	Not Qualified		

विशेष निर्देश

मूल्यांकन तथा परीक्षाफल के सम्बन्ध में नीति-निर्धारण विश्वविद्यालय स्तर पर पृथक से किया जाएगा।

परिशिष्ट - 1

(विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित विषयों की सूची)

1. <u>स्वशास्त्र सम्बद्ध मुख्य विषय (DSCC)</u>

शुक्ल यजुर्वेद	सिद्धान्त ज्योतिष
प्राचीन व्याकरण	पुराणेतिहास
नव्य व्याकरण	संस्कृत साहित्य
फलित ज्योतिष	शांकर वेदान्त

2. <u>स्वशास्त्र सम्बद्ध वैकल्पिक विषय (DSE)</u>

शुक्ल यजुर्वेद	पुराणेतिहास
प्राचीन व्याकरण	संस्कृत साहित्य
नव्य व्याकरण	शांकर वेदान्त
फलित ज्योतिष	आर्ष पाठ्यक्रम
सिद्धान्त ज्योतिष	

3. <u>सामान्य ऐच्छिक विषय (GE)</u>

हिन्दी	समाजशास्त्र
अंग्रेजी	अर्थशास्त्र
नेपाली	गृह विज्ञान
पर्यावरण विज्ञान	वैदिक साहित्य
इतिहास	योग
राजनीति विज्ञान	शिक्षा शास्त्र

4. <u>क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम (AEC)</u>

संस्कृत भाषा कौशल	गढ़वाली भाषा कौशल
हिन्दी भाषा कौशल	कुमाऊँनी भाषा कौशल
अंग्रेजी भाषा कौशल	जौनसारी भाषा कौशल

5. <u>कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (SEC)</u>

कर्मकाण्ड	योग
वास्तुशास्त्र	आपदा-प्रबंधन
कुण्डली विज्ञान	संगणक

6. <u>मूल्य योजन पाठ्यक्रम (VAC)</u>

भारतीय ज्ञान परम्परा	पर्यावरणीय अध्ययन

एकवर्षीयशांकरवेदान्तपरास्नातकपाठ्यक्रमः

कक्षा	सत्रार्धम्	पत्रसंकेतसंख्या	पाठयक्रमविवरणम्	क्रेडिट
प्रथमवर्षम्	प्रथम	DSCC 01	ब्रह्मसूत्रम् (शांकरभाष्यसहितम्) (तृतीयेऽध्याये प्रथम–द्वितीयपादौ)	4
		DSCC 02	भामती (अध्यासभाष्यपर्यन्ता)	4
		DSE 01	अदैतसिद्धिः (आदितः सोपाधिकत्वनिरूपणपर्यन्ता)	4
		DSE 02	खण्डनखण्डखाद्यम् (प्रथमपरिच्छेदे आदितो लक्षणविशेषखण्डनपर्यन्तम्)	4
		IAPC 01	शोध परियोजना/लघु शोध–प्रबनधः	6
			सत्रार्ध का योग	22
	द्वितीय	DSCC 03	ब्रह्मसूत्रम् (शांकरभाष्यसहितम्) (तृतीयेऽध्याये तृतीये–चतुर्थपादौ)	4
		DSCC 04	ब्रह्मसूत्रम् (शांकरभाष्यसहितम्) चतुर्थाध्यायः सम्पूर्णः	4
		DSE 03	शास्त्रसिद्धान्तलेशसंग्रहः प्रथमपरिच्छेदः	4
		DSE 04	बृहदारण्यकोपनिषद् (शांकरभाष्यसहिता) तृतीय–चतुर्थाध्यायौ	4
		IAPC 02	शोध परियोजना/लघु शोध–प्रबनधः	6
सत्रार्ध का योग				22
समग्र योग				44
पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर देय उपाधि			एकवषीय स्नातकोत्तर/आचार्य शंकर वेदान्त उपाधि	

शंकर वेदान्त संकाय	DSCC 01						SEMESTER- I
	ब्रह्मसूत्रम् (शांकरभाष्यसहितम्) (तृतीयेऽध्याये प्रथम–द्वितीयपादौ)						
Total Lectures	Maximum Marks (MM)	Time	L	T	P	Sessional	End Semester Exam (ESE)	Total Credits
60	100	2 Hrs.	3	1	0	25	75	04

इकाई	विवरण
1	प्रथमपादे आदितः तृतीयाधिकरणपर्यन्तम्।
2	प्रथमपादे अवशिष्टो भागः।
3	प्रथमपादे आदितः तृतीयाधिकरणपर्यन्तम्।
4	द्वितीयपादे चतुर्थाधिकरणतः षष्ठाधिकरणपर्यन्तम्।
5	द्वितीयपादे अवशिष्टो भागः।

नोटः इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड होंगे– अ, और ब। "खण्ड अ" में दिए गए लघुउत्तरीय/टिप्पणात्मक सात प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक छः अंको का होगा। "खण्ड ब" में दीर्घोत्तरात्मक/विवरणात्मक पांच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक पन्द्रह अंको का होगा। प्रश्न पत्र सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा।

शंकर वेदान्त संकाय	DSCC 02						SEMESTER- I
	भामती (अध्यासभाष्यपर्यन्ता)						
Total Lectures	Maximum Marks (MM)	Time	L	T	P	Sessional	End Semester Exam (ESE)	Total Credits
60	100	2 Hrs.	3	1	0	25	75	04

इकाई	विवरण
1	मंगलश्लोकाः अध्यासविचारश्च।
2	अध्यासानुपपत्तिशंका तस्या निरासश्च।
3	अध्यासस्य लक्षणम् आत्मख्यातिश्च।
4	अख्यातिः अन्यथाख्यातिश्च।
5	आत्मन्यविषये कथमध्यासः आत्मा नैकान्तेनाविषयः अध्यास एवाविद्या चेति।

नोटः इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड होंगे– अ, और ब। "खण्ड अ" में दिए गए लघुउत्तरीय/टिप्पणात्मक सात प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक छः अंको का होगा। "खण्ड ब" में दीर्घोत्तरात्मक/विवरणात्मक पांच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक पन्द्रह अंको का होगा। प्रश्न पत्र सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा।

शंकर वेदान्त संकाय	DSE 01	SEMESTER- I
	अदैतसिद्धिः (आदितः सोपाधिकत्वनिरूपणपर्यन्ता)	

Total Lectures	Maximum Marks (MM)	Time	L	T	P	Sessional	End Semester Exam (ESE)	Total Credits
60	100	2 Hrs.	3	1	0	25	75	04

इकाई	विवरण
1	आदितः पक्षतावच्छेदकनिरुक्तिपर्यन्तम्।
2	प्रथममिथ्यात्वविचारः, द्वितीयमिथ्यात्वोपपत्तिः, तृतीयमिथ्यात्वविचारश्च।
3	चतुर्थमिथ्यात्वविचारः, पंचममिथ्यात्वविचारः, मिथ्यात्वसामान्योपपत्तिश्च।
4	दृश्यत्वहेतुपपत्तिः, जडत्वहेतूपपत्तिश्च।
5	परिच्छिन्नत्वहेतूपत्तिः, अंशित्वहेतूपत्तिः सोपाधिकत्वनिरासश्च।

नोटः इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड होंगे– अ, और ब। "खण्ड अ" में दिए गए लघुउत्तरीय/टिप्पणात्मक सात प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक छः अंको का होगा। "खण्ड ब" में दीर्घोत्तरात्मक/विवरणात्मक पांच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक पन्द्रह अंको का होगा। प्रश्न पत्र सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा।

शंकर वेदान्त संकाय	DSE 02	SEMESTER- I
	खण्डनखण्डखाद्यम् (प्रथमपरिच्छेदे आदितो लक्षणविशेषखण्डनपर्यन्तम्)	

Total Lectures	Maximum Marks (MM)	Time	L	T	P	Sessional	End Semester Exam (ESE)	Total Credits
60	100	2 Hrs.	3	1	0	25	75	04

इकाई	विवरण
1	प्रथमपरिच्छेदे प्रमाणद्यभ्युपगमस्य इत्यतः संवित्स्वप्रकाशत्ववाद इति पर्यन्तम्।
2	प्रथमपरिच्छेदे क्रियाकर्मभावखण्डनं विषयविषयिभावखण्डनंच।
3	प्रथमपरिच्छेदे सौगतब्रह्मवादिनोर्भेदः अद्वैते प्रमाणविचारश्च।
4	प्रथमपरिच्छेदे चतुर्विधखण्डनं खण्डनयुक्तीनां यथेष्टविनियोगश्च।
5	प्रथमपरिच्छेदे लक्षणसामान्यखण्डनं लक्षणविशेषखण्डनंच।

नोटः इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड होंगे– अ, और ब। "खण्ड अ" में दिए गए लघुउत्तरीय/टिप्पणात्मक सात प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक छः अंको का होगा। "खण्ड ब" में दीर्घोत्तरात्मक/विवरणात्मक पांच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक पन्द्रह अंको का होगा। प्रश्न पत्र सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा।

शंकर वेदान्त संकाय	IAPC 01						SEMESTER- I
	शोध परियोजना/लघु शोध–प्रबन्धः						
Total Lectures	Maximum Marks (MM)	Time	L	T	P	Sessional	End Semester Exam (ESE)	Total Credits
60	100	2 Hrs.	3	1	0	00	100	06

इकाई	विवरण
1	**शोध परियोजना/लघु शोध–प्रबन्धः** Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach

शंकर वेदान्त संकाय	DSCC 03						SEMESTER- II
	ब्रह्मसूत्रम् (शांकरभाष्यसहितम्) (तृतीयेऽध्याये तृतीये–चतुर्थपादौ)						
Total Lectures	Maximum Marks (MM)	Time	L	T	P	Sessional	End Semester Exam (ESE)	Total Credits
60	100	2 Hrs.	3	1	0	25	75	04

इकाई	विवरण
1	तृतीयपादे आदितः सप्तमाधिकरणपर्यन्तम्।
2	तृतीयपादे अष्टमादिकरणतः पंचदशादिकरणपर्यन्तम्।
3	तृतीयपादे अवशिष्टो भागः।
4	चतुर्थपादे आदितः नवमाधिकरणपर्यन्तम्।
5	चतुर्थपादे अवशिष्टो भागः।

नोटः इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड होंगे– अ, और ब। "खण्ड अ" में दिए गए लघुउत्तरीय/टिप्पणात्मक सात प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक छः अंको का होगा। "खण्ड ब" में दीर्घोत्तरात्मक/विवरणात्मक पांच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक पन्द्रह अंको का होगा। प्रश्न पत्र सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा।

शंकर वेदान्त संकाय	DSCC 04	SEMESTER- II
	ब्रह्मसूत्रम् (शांकरभाष्यसहितम्) चतुर्थाध्यायः सम्पूर्णः	

Total Lectures	Maximum Marks (MM)	Time	L	T	P	Sessional	End Semester Exam (ESE)	Total Credits
60	100	2 Hrs.	3	1	0	25	75	04

इकाई	विवरण
1	प्रथमपादे आदितः सप्तमाधिकरणपर्यन्तम्।
2	प्रथमपादे अवशिष्टो भागः।
3	द्वितीयपादः।
4	तृतीयपादः।
5	चतुर्थपादः।

नोटः इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड होंगे– अ, और ब। "खण्ड अ" में दिए गए लघुउत्तरीय/टिप्पणात्मक सात प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक छः अंको का होगा। "खण्ड ब" में दीर्घोत्तरात्मक/विवरणात्मक पांच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक पन्द्रह अंको का होगा। प्रश्न पत्र सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा।

शंकर वेदान्त संकाय	DSE 03	SEMESTER- II
	शास्त्रसिद्धान्तलेशसंग्रहः प्रथमपरिच्छेदः	

Total Lectures	Maximum Marks (MM)	Time	L	T	P	Sessional	End Semester Exam (ESE)	Total Credits
60	100	2 Hrs.	3	1	0	25	75	04

इकाई	विवरण
1	विधिविचारः
2	ब्रह्मकारणविचारः जीवेश्वरविचारश्च।
3	ब्रह्मणःसर्वज्ञत्वम् वृत्तिनिर्गमनंच।
4	आवरणाभिभवः साक्षीस्वरूपपंच।
5	स्कारणाध्यासः।

नोटः इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड होंगे– अ, और ब। "खण्ड अ" में दिए गए लघुउत्तरीय/टिप्पणात्मक सात प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक छः अंको का होगा। "खण्ड ब" में दीर्घोत्तरात्मक/विवरणात्मक पांच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक पन्द्रह अंको का होगा। प्रश्न पत्र सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा।

शंकर वेदान्त संकाय	DSE 04	SEMESTER- II
	बृहदारण्यकोपनिषद् (शांकरभाष्यसहिता) तृतीय–चतुर्थाध्यायौ	

Total Lectures	Maximum Marks (MM)	Time	L	T	P	Sessional	End Semester Exam (ESE)	Total Credits
60	100	2 Hrs.	3	1	0	25	75	04

इकाई	विवरण
1	तृतीयेऽध्याये प्रथम–द्वितीय–तृतीयब्राह्मणानि।
2	तृतीयेऽध्याये चतुर्थ–पंचम–षष्ठ–ब्राह्मणानि।
3	तृतीयेऽध्याये सप्तम–अष्टम–नवमब्राह्मणानि।
4	चतुर्थेऽध्याये प्रथम–द्वितीय–तृतीयब्राह्मणानि।
5	चतुर्थेऽध्याये चतुर्थ–पंचम–षष्ठ–ब्राह्मणानि।

नोटः इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड होंगे– अ, और ब। "खण्ड अ" में दिए गए लघुउत्तरीय/टिप्पणात्मक सात प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक छः अंको का होगा। "खण्ड ब" में दीर्घोत्तरात्मक/विवरणात्मक पांच प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर देने होंगे जिनमें से प्रत्येक पन्द्रह अंको का होगा। प्रश्न पत्र सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा।

शंकर वेदान्त संकाय	IAPC 02	SEMESTER- II
	शोध परियोजना/लघु शोध–प्रबनधः	

Total Lectures	Maximum Marks (MM)	Time	L	T	P	Sessional	End Semester Exam (ESE)	Total Credits
60	100	2 Hrs.	3	1	0	00	100	06

इकाई	विवरण
1	**शोध परियोजना/लघु शोध–प्रबनधः** Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach